वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-133 सागवाड़ा, गुरुवार, 13 जनवरी, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

आठ साल बाद पटरियों पर फिर दौड़ेगी ट्रेन

15 जनवरी को होगा डूंगरपुर से अहमदाबाद रेल का उद्घाटन,17 जनवरी से नियमित चलेगी ट्रेन

डूंगरपुर। जिले में 8 साल बाद पटरियों पर फिर से ट्रेन दौड़ेगी। डूंगरपुर से अहमदाबाद के बीच रेल लाइन के आमान परिवर्तन का काम पूरा होने के बाद 15 जनवरी से डेमू ट्रेन का उदघाटन होगा। वही इसके बाद 17 जनवरी से रविवार को छोड़कर नियमित डूंगरपुर से अहमदाबाद ट्रेन चलेगी। डूंगरपुर से अहमदाबाद के बीच रेल के शुरू होने से यहां के लोगों और व्यापारियों को फायदा मिलेगा। उत्तर-पश्चिम रेलवे के अधिकारियो ने बताया कि उदयपुर से हिम्मत नगर वाया डूंगरपुर आमान परिवर्तन योजना के तहत डूंगरपुर से हिम्मतनगर का कार्य पूर्ण हो चूका है वही डूंगरपुर से उदयपुर के बीच आमान परिवर्तन का काम जारी है। उन्होंने बताया की डूंगरपुर से हिम्मत नगर आमान परिवर्तन काम पूरा होने के चलते रेलवे ने यहाँ पर ट्रेन चलाने का निर्णय ले लिया है। जिसके तहत डूंगरपुर से हिम्मतनगर, असारवा (अहमदाबाद) के बीच रेल लाइन आमान परिवर्तन के बाद पहली बार रेल शुरू होने जा रही है। 15 जनवरी को डूंगरपुर रेलवे स्टेशन से रेल का उदघाट्न किया जाएगा। दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर सांसद और रेलवे के अधिकारी हरी झंडी दिखाकर रेल को रवाना करेंगे। डूंगरपुर से असारवा के बीच करीब 190 किलोमीटर दूरी है। 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से ट्रेन दौड़ेगी जो 4 घंटे 5 मिनट में डूंगरपुर से असारवा तक पंहुचायेगी।

15 जनवरी को उदघाट्न के बाद 17 जनवरी से ट्रैन का नियमित शेड्यूल शुरू होगा। यह ट्रैन रविवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी। रऐसे में डूंगरपुर से अहमदाबाद आने-जाने वाले लोगों के साथ व्यापारियों को भी फायदा मिलेगा।

इस समय पर चलेगी ट्रैन

डूंगरपुर रेलवे स्टेशन से दोपहर 2 बजकर 50 मिनट पर रेल रोजाना चलेगी। जो शाम 7 बजकर 15 मिनट पर असारवा (अहमदाबाद) पहुंचेगी। वही असारवा रेलवे स्टेशन से सुबह 10 बजे चलेगी जो दोपहर ढाई बजे डूंगरपुर स्टेशन पहुचेगी। हालांकि रेल संचालन के इन समय को बदलने लिए सांसद से लेकर डूंगरपुर व्यापार मंडल रेलवे मंत्रालय को पत्र लिखा है। जनप्रतिनिधियो व व्यापारियों ने इस रेल को सुबह 7 से 8 बजे के बीच डूंगरपुर स्टेशन से चलाने की मांग की है। उनका कहना है कि डुंगरपुर स्टेशन से सुबह रेल चलेगी तो दिनभर के कामकाज वाले लोग आ जा सकेंगे। शाम के समय यही रेल रात 10 बजे तक वापस डूंगरपुर स्टेशन आ जायेगी तो बड़ी संख्या में रेलवे को यात्रीभार मिलेगा। वहीं व्यापारी वर्ग भी ट्रेन का उपयोग कर सकेंगे।

इन स्टेशनों पर रूकेगी रेल

डूंगरपुर रेलवे स्टेशन से चलने वाली यह ट्रेन असारवा के बीच 23 स्टेशन पर रुकेगी। डूंगरपुर स्टेशन से रवाना होकर शालाशाह थाणा, भावनाथ बिछीवाड़ा, जगाबोर, लसूड़िया, शामलाजी रोड, सुनाक, रायगढ़, विरावाड़ा, हिम्मतनगर, हापा रोड, सोनासन, प्रांतिज, खारी अमरापुर, तलोद, खेरोल, रखियाल, जलीय मथ, नांदोल देहगाम, दामोद, मेदरा, नरोडा, सरदारग्राम, साहिजपुर स्टेशन पर रुकेगी। इसके बाद असारवा स्टेशन पर पहुचेगी।

कोविड टीकाकरण में कम उपलब्धि पर डूंगरपुर सीएमएचओ डॉ राजेश शर्मा को किया एपीओ

सागवाडा बीसीएमएचओ डॉ पंकज खांट को दिया अतिरिक्त चार्ज

डूंगरपुर। राज्य सरकार कोविड टीकाकरण को लेकर काफी गंभीर नजर आ रही है। यही कारण है की कोरोना की तीसरी लहर के बढ़ते प्रकोप के बीच कोविड टीकाकरण में कम प्रगति पर डूंगरपुर सीएमएचओ डॉ राजेश शर्मा को एपीओ को दिया गया है। डॉ शर्मा को तुरंत प्रभाव से जयपुर निदेशालय में उपस्थिति देने के निर्देश दिए हैं। वहीं सागवाडा ब्लॉक सीएमएचओ डॉ पंकज खांट को सीएमएचओ का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के शासन उपसचिव नरेंद्र कुमार सोगानी ने एक आदेश जारी करते हुए डूंगरपुर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश शर्मा की तुरंत प्रभाव से पदस्थापन आदेशो की प्रतीक्षा में कर दिया गया है। डॉ राजेश शर्मा की निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में अपनी उपस्थिति देने के निर्देश दिए है। आदेश में बताया है कोविड टीकाकरण में डूंगरपुर जिले की स्थिति संतोषप्रद नहीं है। जिले को दिये गए लक्ष्य के विरुद्ध 85.8 प्रतिशत को ही पहली डोज लगी है। वहीं 70.3 प्रतिशत को दूसरी डोज लगाई गई है। वैक्सीनेशन का औसत प्रतिशत राज्य के औसत से काफी कम है।

जनवरी महीने में पहले 10 दिनों में डूंगरपुर में वंचित पहले व दूसरे वैक्सीनेशन डोज में भी 12.9 प्रतिशत की प्रगति रही। कोविड 19 के बढ़ते केस ओर टीकाकरण में कमी देखी गई है। स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ फैमेली वैलफेयर द्वारा आईसीयू, वेंटीलेटर, सीपेट ओर ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर के प्रशिक्षण में भी डूंगरपुर जिले से अनुपस्थिति देखी गई है।

कोविड 19 कि तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए डूंगरपुर जिले की स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई संतोषप्रद नहीं है। इधर जारी आदेश में सागवाडा ब्लॉक सीएमएचओ डॉ पंकज खांट को सीएमएचओ का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

डूंगरपुर के अलावा टीकाकरण में ये जिले भी है पिछड़े

प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना टीकाकरण में कम उपलब्धि पर डूंगरपुर जिले के सीएमएचओ डॉ राजेश शर्मा को एपीओ कर दिया है। टीकाकरण में डूंगरपुर जिला प्रदेश में 29 वे पायदान पर है। वही प्रदेश में कोरोना टीकाकरण में डूंगरपुर से नीचे भी 5 जिले है जिसमे जालोर, भरतपुर, दौसा, करोली और धौलपुर जिला शामिल है। ऐसे में सरकार की कोरोना टीकाकरण के प्रति गंभीरता को देखते हुए इन जिलो में भी भविष्य में गाज गिर सकती है।

जयपुर में उड़ेंगी 25 करोड़ की पतंगें

जयपुर। जयपुर में मकर सक्रांति को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। बाजारों में छोटी और बड़ी पतंगों की दुकानें सज कर तैयार हैं। गुरुवार को बड़ी संख्या में शहरवासी पतंग और मांझा खरीदते नजर आए। पतंग व्यापारियों के अनुसार, कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बावजूद इस बार पतंग और मांझा की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है। इसकी वजह से इस बार सिर्फ जयपुर में 20 से 25 करोड़ रुपए के पतंग और मांझे की बिक्री की संभावना है। वहीं, पतंग और मांझा की कीमत में 40 से 50त्न का इजाफा हुआ है। जयपुर के पतंग व्यापारी राजेश्वर शर्मा ने बताया कि हर साल उत्तर प्रदेश से पतंग और मांझा राजस्थान में बिकने के लिए आता था। इस बार कोरोना संक्रमण की वजह से पतंग और मांझा के उत्पादन में कमी आई है। इसकी वजह से पहले के मुकाबले 40% माल ही राजस्थान बिकने के लिए पहुंच पाया है। ट्रांसपोर्ट के साथ कागज और धागे की लागत में भी इजाफा हो गया है।

पहले जो मांझे की चरखी 500 रुपए की आती थी उसकी कीमत बढ़ कर 800 रुपए पहुंच गई है। पतंगों की कीमत में भी इजाफा है। इस साल 5 रुपए की पतंग आठ से 10 रुपए में बिक रही है।

पालिका के 52 कर्मचारियों को को लगी बूस्टर डोज

सागवाड़ा। सागवाड़ा में क्षेत्र में बूस्टर डोज लगना शुरू हो गई। पालिका अधिशाषी अधिकारी ने सबसे पहले टीका लगाकर इसकी शुरआत कि और बताया कि हेल्थ केयर वर्कर, फ्रंट लाइन वर्कर व 60 वर्ष से अधिक आयु के गंभीर बीमार लोगों के बूस्टर डोज लगाई जा रही है। गई। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने को सागवाड़ा नगर पालिका में टीकाकरण शिविर लगाया गया । जिसमें पालिका उपाध्यक्ष राजुमामा शेख और पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार मोहिल की मौजूदगी में 52 से अधिक कर्मचारियों को बूस्टर डोज लगवाया। ईओ मोहिल ने कहा कि जो भी लोग इस कैटेगरी में आते हैं बूस्टर डोज लगवा ले। उन्होंने आम लोगों से कोरोना गाइडलाइन की सख्ती से पालना करने की अपील की। उपाध्यक्ष राजुमामा शेख ने बताया कि बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर एवं गंभीर बीमारियों से ग्रस्त 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को एहतियाती टीका लगाने की शुरुआतहो गई है। बूस्टर डोज उन्हें ही लगाई जाएगी जिन्हें दूसरा टीका लगवाए के बाद नौ महीने या 39 सप्ताह का समय बीत गया हो।

कोरोना से 7 मौतें, 9881 नए केस

जयपुर। राजस्थान में कोरोना के 9881 नए केस मिले हैं, जबकि 7 मरीजों की मौत हो गई है। राजस्थान में पहली, दूसरी और तीसरी लहर में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 10 लाख के पार हो गया है। कोरोना के बढ़ते केस देखते हुए सरकार ने बोर्ड परीक्षाओं के प्रैक्टिकल एग्जाम रद्द कर दिए है। वहीं प्रमुख मंदिरों में भी अब लोगों के प्रवेश पर रोक लगनी शुरू हो गई। खाटूश्यामजी मंदिर में अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। जिलेवार स्थिति देखें तो जयपुर के अलावा 17 ऐसे जिले हैं जहां आज 100 से ज्यादा केस है। 10 ऐसे जिले हैं, जहां 50 से 100 के बीच मरीज मिले हैं। मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट राजस्थान की रिपोर्ट देखें तो गुरुवार को जयपुर के अलावा सीकर, नागौर, झुंझुनूं और बाड़मेर में मरीजों की मौत हुई है। वहीं पॉजिटिव केसों की स्थिति देखे तो आज अजमेर में 275, अलवर 767, बाड़मेर 335, भरतपुर 435, भीलवाड़ा 239, बीकानेर 678, चित्तौड़गढ़ 155, हनुमानगढ़ 217, जैसलमेर 151, जोधपुर 777, कोटा 765, नागौर 165, पाली 317, प्रतापगढ़ 113, सवाई माधोपुर 179, टोंक 102 और उदयपुर में 598 केस मिले हैं।

50 हजार मीटर चाइनीज मांझा जब्त

डीएसटी टीम ने दुकानों पर मारा छापा, 65 चरखी के साथ 2 व्यापारियों को पकड़ा

डूंगरपुर। चाइनीज मांझे के खिलाफ डीएसटी ने गुरुवार को दूसरे दिन भी बड़ी कार्रवाई की हैं। डीएसटी ने दो व्यापारियों के पास से 50 हजार मीटर चाइनीज मांझा के साथ चरखियां बरामद की है। डीएसटी प्रभारी दिलीपदान ने बताया कि प्रतिबंधित चाइनीज मांझा के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। चाइनीज डोर से पतंगबाजी के कारण पंछियों और लोगों की जान को खतरा है। दूसरे दिन गुरुवार को शहर में दो अलग-अलग जगहों पर छापा मारकर कार्रवाई की है। हेड कांस्टेबल नवीन कुमार, महावीर, यशपाल सिंह, पंकज की टीम ने शहर के सोनिया चौक निवासी हर्ष सोलंकी के यहां तलाशी ली। वहीं पातेला निवासी गौरव प्रजापत के यहां छानबीन में चरखियों के साथ 50 हजार मीटर का चाइनीज धागा जब्त किया गया है। डीएसटी ने चाइनीज मांझे और चरखियों को बरामद करते हुए कोतवाली थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। चाइनीज मांझा बेचने वाले हर्ष सोलंकी व गौरव प्रजापत को भी पकड़कर कोतवाली पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रतिबंधित धागा बेचने का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने कल बुधवार को भी शहर के दो व्यापारियों से प्रतिबंधित चाइनीज धागे से भरी 65 चरखियां बरामद की थी।

तस्करी : लकड़ियां गुजरात लेकर जा रहे थे तस्कर, क्रेन-ट्रक के साथ एक को पकड़ा

डूंगरपुर। हरे पेड़ काटकर गुजरात तस्करी करने वालों के खिलाफ डीएसटी ने कार्रवाई की है। हरे पेड़ों के साथ एक क्रेन और ट्रक को जब्त किया गया। क्रेन ड्राइवर भी पकड़ा गया। डीएसटी इंचार्ज दिलीपदान चारण ने बताया कि मुखबीर की सूचना पर वरदा थाना क्षेत्र के भचड़िया गांव में हरे पेड़ों की कटाई की जा रही है। डीएसटी के हैड कांस्टेबल नवीन कुमार, मुकेश व पंकज की टीम गुरुवार तड़के भचड़िया गांव के पास पहुंचे। सड़क किनारे रात के अंधेरे में हरे पेड़ों की कटाई की जा रही थी। काटे हुए पेड़ के बड़े-बड़े गट्टे बनाकर पास ही खड़े एक ट्रक में भर रहे थे। डीएसटी ने मौके पर दबिश दी तो पुलिस को देखते ही ट्रक व क्रेन का चालक भागने लगा। डीएसटी ने पीछा करते हुए क्रेन के ड्राइवर महेश पुत्र जीवा डामोर निवासी कसारिया थाना कुंआ को पकड़ लिया। ट्रक ड्राइवर रात के अंधेरे में भाग गया। क्रेन ड्राइवर महेश ने बताया कि पेड़ों को काटकर गुजरात तस्करी कर ले जा रहे थे। इनका उपयोग फर्नीचर बनाने या दूसरे कामों में इस्तेमाल होता हैं। डीएसटी ने पकड़े गए हरे पेड़ों के साथ ट्रक व क्रेन को वरदा थाना पुलिस को सौंप दिया।

सरकारी गेंहू की तस्करी की पुष्टि होने पर हथाई व सत्तू राशन डीलर निलंबित

डूंगरपुर। जिले के आसपुर डिप्टी द्वारा गेंहू से भरे दो ट्रक पकड़ने के मामले में जांच में सरकारी गेंहू की तस्करी की पुष्टि होने के बाद हथाई व सत्तू गांव के दो राशन डीलर्स पर गाज गिरी है। जिला रसद अधिकारी विपिन जैन ने दोनों राशन डीलर्स को निलंबित कर दिया है। विभागीय जांच में दोनों डीलर्स के गौदाम में 243 क्विंटल 93 किलो गेंहू कम मिला था। 11 जनवरी को आसपुर डिप्टी ने हथाई से फलोज मार्ग पर गेंहू से भरे दो ट्रक जब्त किये थे। जिसकी सुचना पुलिस ने रसद विभाग को दी थी। मामले में कल दिनभर रसद विभाग की टीम ने गेंहू के सम्बन्ध में जांच की जिसमे सामने आया था की ये दोनों ट्रक हथाई राशन डीलर वागजी पटेल के है। जिसके तहत टीम ने हथाई राशन डीलर वागजी पटेल व पास के सत्तू गांव के डीलर शंकर खराड़ी के गौदाम में रखे गेंहू के स्टोक की जांच की गई।

किस दौरान टीम को हथाई राशन डीलर वागजी पटेल के गोदाम में 193 क्विंटल 40 किलो गेंहू कम मिला था। वही सत्तू गाँव के राशन डीलर शंकरलाल खराडी के गौदाम में गेंहू के स्टोक की जांच में 50 क्विंटल 53 किलो गेंहू कम मिला था। वही दोनों जगह गेंहू कम मिलने के मामले में पूछताछ में उक्त गेंहू ट्रको में भरकर गुजरात तस्करी करना कबूल लिया था। इधर विभागीय जांच में दोषी पाए जाने पर डूंगरपुर जिला रसद अधिकारी विपिन जैन ने हथाई राशन डीलर वागजी पटेल व सत्तू गांव के राशन डीलर शंकरलाल खराडी को निलम्बित कर दिया है।

वही जिला रसद अधिकारी विपिन जैन ने बताया की कलेक्टर के निर्देशानुसार दोनों के खिलाफ एफआईआर भी विभाग की ओर से दर्ज करवाई जायेगी। वही डीएसओ विपिन जैन ने बताया की मामले में भोजातो का ओडा डीलर की भूमिका भी संदिग्ध है जिसके स्टोक की भी विभाग जांच कर रहा है।

डीएसओ विपिन जैन ने किया निलंबित, दो ट्रको में सरकारी राशन का गेंहू भरकर कर रहे थे गुजरात तस्करी

मकर संक्रान्ति पर स्वरचित कविता

रंग-बिरंगी पतंग से चलो
खुद को आज जोड़ा जाए....
जीवन के आसमानी लक्ष्य को
हौसले की डोर बांधकर
इस धरती से ही साधा जाए....
स्वयं को बांध लिया है हमने
अहम् के कूपमण्डल में
तोड़कर दायरे इनके चलो आज
आस-पास की छतों पर झांका जाए...
प्रेम,उल्लास,अपनत्व का पावन पर्व ये
बेजुबान पक्षियों के रक्त से
क्यो अपावन किया जाए...
खुशियों संग मानव धर्म भी चलो
इंसान बन आज निभाया जाए....
रंग-बिरंगी पतंग से चलो
खुद को आज जोड़ा जाए....

श्रद्धा भट्ट (खड़गदा)

गहलोत बोले-हर उम्र में लगे प्रीकॉशन डोज,बच्चों का हो वैक्सीनेशन

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को कोविड के हालात को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा की। इसमें केवल 8 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को ही अपनी बात रखने का मौका मिल सका। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा है चर्चा में मौका नहीं मिलने के कारण कारण वह सोशल मीडिया के जरिए जनहित में कोविड मैनेजमेंट को लेकर अपने सुझाव शेयर कर रहे हैं। गहलोत ने सुझाव दिया कि कोविड की प्रीकॉशन डोज 60 साल से ज्यादा उम्र के बजाय सभी उम्र के लोगों को लगनी चाहिए। क्योंकि मेडिकल एक्सपर्ट्स के मुताबिक को-मॉर्बिड बीमारियां हर उम्र में देखने को मिलती हैं। गहलोत ने प्रीकॉशन डोज के लिए 9 महीने की बजाय दूसरी डोज के 3 से 6 महीने में तीसरी डोज लगाने की मांग उठाई है। क्योंकि ज्यादा वक्त के साथ वैक्सीन का असर कम होने लगता है। उन्होंने भारत में छोटे बच्चों का वैक्सीनेशन जल्द शुरू करने की मांग भी उठाई। गहलोत ने कहा दुनिया के कई देशों में 2 साल की उम्र तक के छोटे बच्चों को वैक्सीन लग रही है। जबकि भारत में फिलहाल 15 से 18 साल तक के किशोर वर्ग का वैक्सीनेशन हो रहा है। कोविड होने के बाद अस्थमा,हार्ट,किडनी,ब्रेन स्ट्रोक की तकलीफ लोगों को हो रही है। बच्चों में मल्टी सिस्टम इंफ्लेमेट्री सिंड्रोम इन चिल्डरन से डेथ रेट बढ़ जाती है।

सुझाव देते हुए गहलोत ने कहा कि जीनोम सीक्वेंसिंग फैसिलिटी देश के सभी राज्यों में डवलप की जानी चाहिए। जो अभी नहीं के बराबर है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में हुई जीनोम सीक्वेंसिंग के पैटर्न से पता चला कि 92 फीसदी केस ओमिक्रॉन से संक्रमित हैं। लेकिन साथ ही संतोष जताया है कि राजस्थान में सीरो सर्विलांस में 90 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। प्रदेश में कोविड संक्रमण की कम्यूनिटी स्प्रेडिंग होकर हर्ड इम्यूनिटी डवलप हो चुकी है। फिर भी वैक्सीनेशन जरूरी है,ताकि एंटीबॉडी और मजबूत हो जाए। इसके लिए उन्होंने फाइजर, मॉडर्ना जैसी कम्पनियों को भारत में भी प्राइवेट एरिया में मान्यता देने की मांग रखी।

संडे लॉकडाउन की नई गाइडलाइन

डेयरी, फल-सब्जी और किराना की दुकानें खुली रहेंगी

जयपुर। संडे लॉकडाउन के दौरान अब दूध (डेयरी), फल-सब्जी और किराना की दुकानें खुली रहेंगी। गृह विभाग ने गुरुवार सुबह संशोधित गाइडलाइन जारी की है। संडे कर्फ्यू में डेयरी, फल-सब्जी और किराना की दुकानों सहित खान-पान सामग्री की दुकानों को खोलने की अनुमति दे दी है।

गृह विभाग ने 9 जनवरी को जारी गाइडलाइन में दूध, फल-सब्जी और किराना की दुकानों को छूट नहीं दी थी। भास्कर ने गाइडलाइन की इस खामी को प्रमुखता से उजागर किया था। कोरोना की पहली और दूसरी लहर में सख्त लॉकडाउन के समय भी डेयरी, फल-सब्जी और किराना की दुकानें खुली रहती थीं। गृह विभाग ने इसके बाद संशोधित गाइडलाइन जारी किया है। संडे कर्फ्यू के दिन छूट की अब 14 कैटेगरी बनाई है। दूध की दुकानें, डेयरी बूथ, फल-सब्जी मंडी की दुकानें, किराना की दुकानें, लगातार प्रोडक्शन वाली फैक्ट्रियां, नाइट शिफ्ट वाली फैक्ट्रियां, आईटी, टेलीकॉम सेवाएं, मेडिकल दुकानें, शादी समारोह, इमरजेंसी सेवाओं वाले ऑफिस, माल लाने-ले जाने वाले सभी वाहनों के साथ रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों को छूट रहेगी। वैक्सीनेशन के लिए आने-जाने वालों और मेडिकल सेवाओं से जुड़े ऑफिस कर्फ्यू के दायरे से बाहर रहेंगे। कोरोना को लेकर सरकार 15 दिन में 5 गाइडलाइन जारी कर चुकी है। सबसे पहले 29 दिसंबर को गाइडलाइन जारी की। इसके बाद 2 ?जनवरी और 5 जनवरी को गाइडलाइन जारी कर कुछ पाबंदियां लगाई। फिर 9 जनवरी को गाइडलाइन जारी संडे कर्फ्यू, रात 8 बजे बाजार बंद करने, शहरों में 12 वीं तक की स्कूल बंद करने जैसी पाबंदियां लगाईं। अब 13 जनवरी को संशोधित गाइडलाइन जारी कर संडे कर्फ्यू में जरूरी चीजों की दुकानों को छूट दी है।

संशोधित गाइडलाइन में स्ट्रीट वेंडर्स, थड़ी-ठेले वालों को छूट नहीं दी गई है। संडे कर्फ्यू में स्ट्रीट वेंडर्स सामान नहीं बेच सकेंगे। कुल मिलाकर आवश्यक सामग्री की बिक्री की ही छूट है।